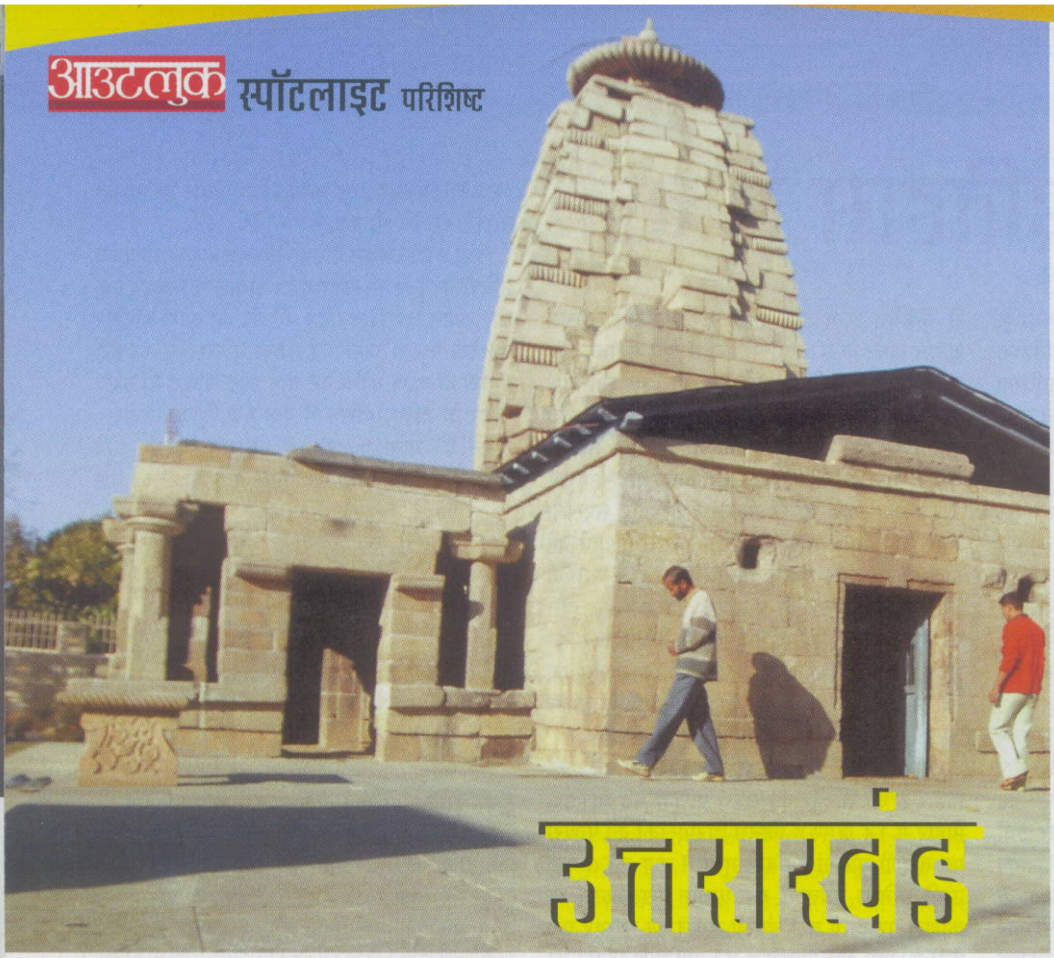

उत्तराखंड

महान हिमालय शृंखला की गोद में स्थित और ढेर सारी नदियों वाला उत्तराखंड एक विविधतापूर्ण क्षेत्र है जो इसे पूरे हिमालय में साहसिक यात्राओं और पर्यटन का एक प्रमुख स्थल बनाता है। उत्तराखंड दक्षिण के तराई वनों से शुरू होता है जिसमें राजाजी और कार्बेट जैसे प्रसिद्ध नेशनल पार्क हैं जिसके बाद शिवालिक की पहाड़ियां शुरू होती हैं। शिवालिक में उत्तराखंड के सबसे पसंदीदा हिल स्टेशन - नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत स्थित हैं। शिवालिक धीरे-धीरे भव्य हिमालय के गिरि पिंडों की ओर ऊपर उठता है। शिवालिक की ऊंचाइयों में बुग्याल हैं जो भीनी-सी महक वाले घास के चरागाह हैं, जहां से हिमालय इतना नजदीक लगता है कि आप जाकर उसे छू सकते हैं। इसके बाद भव्य चोटियां शुरू होती हैं। उत्तराखंड के इन सभी क्षेत्रों में भारत के कुछ सुप्रसिद्ध और संरक्षित नेशनल पार्क हैं। तराई जहां बाघ पाए जाते हैं, उसमें कार्बेट और राजाजी नेशनल पार्क हैं। तराई इलाके का अनुभव प्राप्त करने के लिए कार्बेट नेशनल पार्क के ठीक बाहर छोटी हल्द्वानी में एक छुट्टी बिताने से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। यहां पर आप ग्रामीण वातावरण में उत्तराखंड शैली की आवभगत का आनंद उठा सकते हैं और महान शिकारी से संरक्षणविद् में बदले जिम कार्बेट के कदमों के निशान ढूंढ़ सकते हैं जो नजदीकी कालाढूंगी में रहते थे। एक और बढ़िया तराई अनुभव आपको वनघाट रिवराइन वुड्स में मिल सकता है। रामगंगा नदी के किनारे इस खूबसूरत लॉज में आपको परेशान करने वाला कोई नहीं होगा और आप गहरे जल में महसीर की तलाश कर सकते हैं। महसीर को पकड़ें और छोड़ दें फिर गाइड की सहायता लेकर नजदीक के गांवों तक चल कर जाएं।

दूसरी परत - शिवालिक में अपने नेशनल पार्क हैं जिनमें सबसे महत्वपूर्ण बिनसर और अस्कोट हैं। बिनसर का पक्षी अभयारण्य भारत के बेहतरीन संरक्षित पार्कों में एक है क्योंकि इस पार्क के भीतर रहने वाले ग्रामीण इसके संरक्षण में भागीदारी करते हैं। बिनसर ईको कैंप में ठहरते हुए इसका प्रत्यक्ष अनुभव करें जो पार्क के बाहरी हिस्से में 7,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां जंगल में सैर के लिए जाएं, रिवर क्रॉसिंग करें, जागेश्वर के प्राचीन मंदिरों में दर्शन करें और तरह-तरह के पक्षियों को निहारें - इनके साथ महान हिमालय की चोटियों का सम्मोहक नजारा तो है ही।

चोटियों के और नजदीक जाने के लिए, उत्तराखंड में नंदा देवी का अभयारण्य, केदारनाथ कस्तूरी मृग अभयारण्य और गोविंद नेशनल पार्क हैं। इनमें आप चोटियों तक की ट्रेकिंग भी कर सकते हैं लेकिन उत्तराखंड की चौथी परत को आराम से अनुभव करने के लिए, आप उत्तरकाशी के निकट खूबसूरत दयारा बुग्याल चरागाह के आस-पास के गांवों में जाएं। यहां पर बरसू में कैंप बुग्याल सराय में आप जलप्रपात ढूंढ़ें, ऊंचाइयों पर स्थित चरागाहों में पिकनिक मनाएं, रात को हिमालय के आकाश में सितारों को निहारें। सबसे अधिक आराम से हिमालय की बर्फ से ढंकी चोटियों का नजारा लें। उनका यहां से अधिक नजदीकी दृश्य आपको कहीं नहीं मिलेगा। ●

तथ्य

जानकारीः 1. दयारा बुग्याल, रवि रावत, कैंप बुग्याल सराय, भटवारी, उत्तरकाशी से संपर्क करें। टेली. +919412912617, +919917728363, वेबसाइटः bugyal-sarai.com, 2. छोटी हल्द्वानीः राजेश पंवार, कार्बेट्स विलेज, छोटी हल्द्वानी, कालाढूंगी, जिला नैनीताल से संपर्क करें। टेली. 05942-242723, +919837477661, वेबसाइटः cobettvillage.in, 3. वानघाटः सुमंत घोष, महसीर कंजर्वेटरी, पीओ बॉक्स 14, रामनगर, जिला नैनीताल से संपर्क करें, टेली. +919761166777, +919719243939, 4. बिनसर इको कैंप, केशर सिंह मेहरा, धौलचीना, अल्मोड़ा से संपर्क करें, टेली. 05962-262022, +919412170366, वेबसाइटः binsarecocamp.com
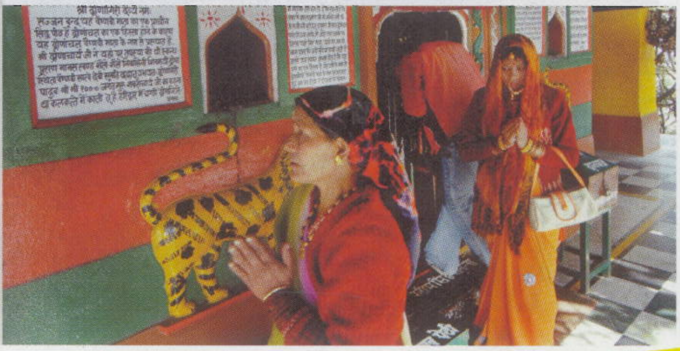
घूमने का मौसमः उत्तराखंड का मौसम कभी बेकार नहीं होता खासकर अगर आप सर्दियों की ठंड पसंद करते हैं जब पहाड़ों का दृश्य सबसे अच्छा होता है। हालांकि बरसात के मौसम में पहाड़ी रास्ते मुश्किल हो जाते हैं। किसी खास कैंप में रुकने से पहले यह पता कर लें कि वह किस मौसम में चालू होता है।